DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B.A. Part —— I
Paper —— II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294392191

## गौरवपूर्ण क्रान्ति के संवैधानिक महत्व :— VI

(घ) कर लगाने और वसुल करने की दिशा में राजा की शक्ति और अधिकार को सीमित कर दिया गया। अब पार्लियामेंट की इच्छा के विरुद्ध कोई कर नहीं लगा सकता और न कर वसुल ही सकता था। अगर ऐसा करने का साहस करता भी तो वह अवैधानिक मान लिया जाता। अतः अब कर वसुलने में राजा को पार्लियामेंट की अनुमति लेना अति आवश्यक हो गया।

(ङ) जब देश में शान्ति हो तो राजा बिना पार्लियामेंट की आज्ञा से देश मे स्थाई सेना Standing Army नहीं रख सकता था। अगर राजा शान्तिकाल में भी स्थाई सेना रखता है तो वह सेना अवैध मान ली जाती थी।

(च) इस क्रान्ति का सबसे अधिक लाभ पार्लियामेंट को ही हुआ, क्योंकि अब से पार्लियामेंट का चुनाव राजा के हस्तक्षेप से मुक्त कर दिया गया। पार्लियामेंट के सभी सदस्यों को पार्लियामेंट में बोलने की आजादी मिल गई। इन सभी अधिकारों की घोषणा के पश्चात इंगलैंड का ताज मेरी और विलियम तृतीय को सौंपा गया।

गौरवपूर्ण क्रान्ति के समय Bill of Right के बाद दुसरा प्रमुख नियम इंगलैंड से पार्लियामेंट द्वारा दिया गया। Bill of Right से जो पूर्ति नहीं हुई उसे Toleration act के द्वारा की गई।